

प्रषक

विनीता कुमार,
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त,
उत्तरांचल शासन।

प्रया म,

निदेशक,
जनजाति कल्याण उत्तरांचल,
देहरादून।

संज्ञक कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ।

देहरादून दिनांक 29 दिसम्बर 2006

विषय: जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत विकासखण्ड धारचूला के ग्राम-नपलछ्यू में ट्राईबल कम्युनिटी केंद्र एवं बहुउद्देशीय भवन निर्माण हेतु धनराशि का आबंटन।

संदर्भ

उपयुक्त विषयक जिलाधिकारी पिथौरागढ़ के पत्र संख्या 2227-28/स080/ट्राईबल सव प्लान/2006-07 दिनांक 5 अक्टूबर 2006 द्वारा के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत विकासखण्ड धारचूला के ग्राम-नपलछ्यू में ट्राईबल कम्युनिटी केंद्र एवं बहुउद्देशीय भवन निर्माण कराये जाने हेतु प्राप्त रु0 30.00 लाख(रुपये तीस लाख मात्र)की धनराशि के आगणन पर तकनीकी परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण संस्तुत कुल रूपये 22.23 लाख(रुपये बाईस लाख तीस हजार मात्र) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए श्री राज्यपाल महोदय अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में अपस्थापना सुविधाओं का विकास मद में संलग्न बी.एम.-15 में उल्लिखित विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध रकमों से पुनर्विनियोग द्वारा स्वीकृत कुल रूपये 22,23,000/- (रुपये बाईस लाख तीस हजार मात्र) की धनराशि वित्तीय वर्ष 2006-07 में निम्न प्रकार व्यय करने हेतु आपके नियंत्रण पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- उक्त धनराशि निदेशालय द्वारा आहरित कर सीधे कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा पिथौरागढ़ को उपलब्ध करायी जायगी।
- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाये।
- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।
- एक मुश्त प्राविधान की कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाये।
- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी पूर्ति को मध्य नजर रखते हुये एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षणटिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।
- आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
- निर्माण सामग्री का प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।
- जी0पी0डब्लू फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- किसी भी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगणन गठित करते समय स्वीकृत जातव्य एवं मार्गस के अनुसार गठित किया जाये तथा उसकी सूचना प्रशासनिक विभाग को भी दें एवं डिप्टी कालेजो/मेडिकल के इास्टलों का निर्माण एच0आई0सी0 के मानकों के आधार पर प्रारम्भिक आगणन गठित किया जाये।

13. मुख्य सचिव उत्तरांचल के शासनादेश संख्या:2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जायेगा।
14. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों एवं बजट मैनुअल व मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अन्तर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। कार्य कराते समय टेण्डर विषयक नियमों का भी अनुपालन किया जाये।
15. कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये, कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा।
16. स्वीकृत की जा रही धनराशि की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत किया जायेगा।
17. उक्त "ट्राईबल कम्युनिटी केंद्र एवं बहुउद्देशीय भवन" का संचालन ग्राम पंचायत द्वारा किया जायेगा तथा यह शासकीय सम्पत्ति होगी और ग्राम पंचायत द्वारा ट्राईबल कम्युनिटी केंद्र एवं बहुउद्देशीय भवन का संचालन जनजाति समुदाय के हित में उन्हीं उद्देश्यों के लिए किया जायेगा, जिन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है और यह भी कि भविष्य में कम्युनिटी केंद्र एवं भवन के अनुरक्षण अथवा अन्य आवश्यक व्यय व केंद्र/भवन का रख-रखाव ग्राम पंचायत द्वारा स्वयं अपने वित्तीय स्रोतों से किया जायेगा। तथा इसके लिए किसी भी प्रकार का शासकीय अनुदान देय नहीं होगा।
18. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-31 के अधीन लेखाशीर्षक "4225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण पर पुंजागत परिव्यय- आयोजनागत- 02-अनुसूचित जनजातियों का कल्याण- 800-अन्य व्यय- 03-अनुसूचित जनजाति माहृत्य क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं का विकास- 00-" के मानक मद- "24-ग्रहण निम्न कार्य" की सुरक्षा प्राथमिक इकाईयों के नामे दर्ज किया जाएगा। तथा संलग्न पुनर्विनियोग के फॉर्म-1 की बखती से वहन किया जायेगा।
19. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या :1213/XXVII(3)/2006, दिनांक : 27 दिसम्बर, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

सलग्नक : यक्षोपरि

भवदीय

(विनीता कुमार)

प्रमुख सचिव एवं आयुक्त

संख्या- 1091 (1)/XVII(1)/06-293(प्रकोष्ठ)/2005/तददिनांक।
प्रतिलिपि-निम्नांकित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
2. वित्त (व्यय नियन्त्रण)अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
3. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
5. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तरांचल शासन।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, देहरादून।
7. निदेशक, एन.आई.सी. उत्तरांचल, देहरादून।
9. आयुक्त कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
10. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
11. जिला समाज कल्याण अधिकारी, पिथौरागढ़।
12. प्रधान, ग्राम सभा नपलघ्यों, तहसील धारचूला (पिथौरागढ़)।
13. खण्ड विकास अधिकारी, धारचूला (पिथौरागढ़)।
14. म्यूरु स्थापि समिति, ग्राम नपलघ्यों, तहसील धारचूला (पिथौरागढ़)।
15. गार्डफाइल।

आज्ञाते

(सुबर्द्धन)

आयुक्त सचिव

[illegible]

July 1976

(विनीता कुमार)
प्रमुख सचिव एवं आयुक्ता,
राजाजी कल्याण,
उत्तराखण्ड शासन.

उत्तरांचल प्रांत
वित्त (अर्थ) विभाग-3
सं- 1213/XXVII(3) / 2006-2007
देहरादून दिनांक 27 दिसम्बर, 2006
मानविधि

Doct. W. L. W.

24

महालैङ्गनगर (लिंगा एवम् लङ्करी)
आवर्धन, माजरा पोखरण ।

संख्या- १७१(४)XVII(1)/०६-१२२(प्रकोष्ठ)/२००६/तददिनांक ।

पतिलिपि- निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कारवाही हेतु प्रेषित।

1. निदेशक जनजाति कल्याण उपायालय देहरादून।
 2. निदेशक कोषागार एन विल्ट सेवाय उत्तराखण्ड देहरादून।
 3. मुख्य वीणाधिकाारी देहरादून।
- भाई भाइल !

3110

(सुषुब्धता)
अथ रक्षित
स्वातन्त्र्य कल्याण
उत्तमोपनि साध